ए. एम. परमेश्वरन चाक्यार
अकादेमी पुरस्कारः
अन्य प्रमुख नाट्य परम्पराएँ (कूटियाट्टम)

A. M. PARAMESWARAN CHAKYAR
Akademi Award:
Other Major Traditions of Theatre - Kutiyattam

Born on 29 September 1950, Shri A.M. Parameswaran Chakyar is well known for his expertise in both 'angika' and 'vachika' abhinaya. His ritual 'arangettam' was performed at the Koothambalam at Koodalmanikyam Temple, Irinjalakuda at the age of 16, and he was trained in the gurukula sampradaya by Shri Ammannur Madhava Chakyar. He has followed in the footsteps of his Guru, and presents Chakyarkoothu and Kutiyattam at many temples in Kerala and other venues.

He is credited with the revival and adaptation of the second act of the play *Naganandam* for the modern stage, in which his portrayal of the vidooshaka *Atreyan* has been critically acclaimed. He is renowned for his roles as Ravana in *Asokavanikankam* and *Thoranayuddham* and as Bali in *Balivadham*. He is most popular as the pre-eminent vidooshaka in koodiyattam and his purushartha koothu is acclaimed by laymen and connoisseurs alike. He is considered an authority on the ritual elements in Koodiyattam and the authentic texts of the stage manuals. He has presented the Ramayana prabandham, containing about 450 verses in its entirety, more than 30 times and is one of the few performers capable of presenting all the prabandha texts of Melpathur Narayana Bhattathiri, today. His koothu recitals are not only known for his illustrious wit and humour but for his attention to detail in expounding all the rasas. As the chief instructor in the Ammannur Chachu Chakyar Smaraka Gurukulam, he has a list of prominent disciples who carry forward the tradition. Shri A.M. Parameswaran Chakyar has directed a number of Kutiyattam performances such as *Abhishekama*, *Prathamadvitiya*, Vidushaka part in *Sarantala*, *Naganada*, etc. He has received many awards.

He has received the Kerala Sangeetha Nataka Akademi Award for the year 2003; the Kerala Kalamandalam Award 2007; besides being felicitated by a number of institutions.

Shri A.M. Parameswaran Chakyar receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Indian theatre as a Kutiyattam artist.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

29 सितंबर 1950 को जन्मे श्री ए. एम. परमेश्वरन चाक्यार को आंगिक और वाचिक अभिनय में विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। आपने 16 वर्ष की आयु में अपने आनुष्ठानिक ''अरंगेट्टम'' की प्रस्तुति कूडलमनिक्यम मंदिर, इरिन्जलकुडा के कूटम्बलम में दी थी। श्री अम्मानूर माधव चाक्यार द्वारा आपको गुरुकुल सम्प्रदाय में प्रशिक्षित किया गया था। आप अपने गुरु के नक्शेकदम पर चलते हुए केरल के विभिन्न मंदिरों और अन्य स्थलों पर चाक्यारकूथु और कूटियाट्टम की प्रस्तुतियाँ देते रहे हैं।

आधुनिक रंगमंच के लिए नागानंदम नाटक के दूसरे अंक के पुनरुद्धार और अनुकूलन का श्रेय भी आप ही को जाता है, जिसमें विदूषक अत्रेयन की भूमिका में आपके अभिनय को समीक्षकों की भरपूर सराहना मिली है। आप अशोकवाणिकंकम और थोरानयुद्धम में रावण के किरदार और बालीवधम् में बाली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। आप कूटियाट्टम के पूर्व-प्रतिष्ठित विदूषक के रूप में सर्वाधिक लोकप्रिय हैं और आपके पुरुषार्थ कूथु के प्रशंसक तो सामान्य लोगों के साथ.साथ कलापारखी भी हैं। आपको कूटियाट्टम के आनुष्ठानिक तत्वों और मंच नियमावली के प्रामाणिक ग्रन्थों का विशेषज्ञ माना जाता है। आपने तीस बार रामायण प्रबंधम प्रस्तुत किया है, जिसमें समग्रतः लगभग 450 श्लोक हैं, और आज आप मेलपथुर नारायण भट्टाथिरी के सभी प्रबंध ग्रंथों को प्रस्तुत करने में सक्षम कुछ गिनेचुने कलाकारों में से एक हैं। आपके कूथु पाठ न केवल उत्कृष्ट हास-परिहास के लिए ख्यात हैं, बल्कि सभी रसों को विस्तार से प्रतिपादित करने के लिए भी जाने जाते हैं। अम्मानूर चाचू चाक्यार स्मारक गुरुकुलम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में आपने बहुत से शिष्यों को प्रशिक्षित किया है। आपके प्रमुख शिष्यों की सूची बहुत लम्बी है जो इस परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं। श्री ए. एम. परमेश्वरन ने कई कूटियाट्टम प्रदर्शनों का निर्देशन किया है जैसे अभिषेकम, प्रथमाद्वितीय, सरंतला में विदुषक भाग, नागानंदा, आदि।

आपको विभिन्न संस्थानों द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें वर्ष 2003 में केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, और वर्ष 2007 में मिला केरल कलामंडलम पुरस्कार प्रमुख है।

भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में कूटियाट्टम कलाकार के रूप में योगदान के लिए श्री ए. एम. परमेश्वरन चाक्यार को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018